

कंजर/कंजड़ पुं. (तद्.) 1. वनों आदि में घूम फिर कर सांप, गोह, मधुमक्खी का शहद आदि प्राप्त कर जीविका चलाने वाली एक मानव जाति, या उसका एक व्यक्ति 2. सूर्य 2. हाथी 2. उदर 2. ब्रह्मा 2. मोर।

कंजरवेटिव वि. (अं.) कंजर्वेटिव, रूढिवादी, परंपरावादी 2. अनुदार 3. ब्रिटेन का एक राजनीतिक दल। conservative

कंजा स्त्री. (तद्.) 1. एक कँटीली झाड़ी, करंज 2. गहरा खाकी रंग पुं. भूरे नयनों वाला व्यक्ति 3. देश. बेल के रूप में फैली पीली मंजरी वाली घास।

कंजूस पुं. (देश.) जो धन का भोग न करे, कृपण, सूम, मक्खीचूस।

कंजूसी स्त्री. (देश.) कृपणता, उदारता का अभाव। कंजूस होने का भाव।

कंटक पुं. (तत्.) 1. काँटा 2. कार्य में होने वाली बाधा/विघ्न, बखेड़ा, रोमांच 3. बबूल आदि पेड़ में होने वाला नुकीला अंकुर।

कंटूनमेंट पुं. (अं.) सैन्य दल जहाँ एकत्रित होकर रहता है, छावनी, कटक।

कंट्रैक्ट पुं. (अं.) 1. अनुबंध या संविदा के आधार पर दिया जाने वाला किसी कार्य को करने का ठेका 2. इकरारनामा।

कंट्रैक्टर वि. (अं.) ठेकेदार, संविदाकार। contractor

कंट्रोल पुं. (अं.) 1. नियंत्रण, काबू 2. किसी वस्तु की समुचित व्यवस्था के लिए सरकारी अधिकार।

कंठ पुं. (तत्.) गला 1. गले के अंदर का वह स्वर यंत्र जिससे आवाज निकलती है 2. वि. याद किया गया, मुहा. कंठ फूटना- आवाज खुलना, मुंह से शब्द निकलना।

कंठतालव्य वि. (तत्.) वह वर्ण जिसका उच्चारण कंठ और तालु स्थानों से मिलकर हो, 'ए' और 'ऐ' कंठतालव्य वर्ण हैं।

कंठ संगीत पुं. (तत्.) वाद्य की अपेक्षा मुख से गाया गया गीत।

कंठस्थ वि. (तत्.) 1. जबानी याद होना 2. किनारे या तट के पास पर्या. कंठगत।

कंठहार पुं. (तत्.) हार, गले का हार, आभूषण। necklace

कंठाग्र वि. (तत्.) [कंठ+अग्र] जबानी याद किया हुआ, कंठस्थ।

कंठोष्ठ्य पुं. (तत्.) वह ध्वनि या वर्ण जो एक साथ कंठ और ओठ के सहारे बोला जाए, 'ओ' और 'औ' कंठोष्ठ्य वर्ण कहलाते हैं।

कंठ्य वि. (तत्.) 1. गले से उत्पन्न, जिसका उच्चारण कंठ से किया जाए पुं. ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण कंठ से होता है जैसे- हिंदी में अ, क, ख, ग, घ, ङ, ह और विसर्ग।

कंडम वि. (अं.) निकम्मा ठहराना, निंदा करना 1. बेकार 2. दोषित 3. निंदित 4. क्षतिग्रस्त। condemn

कंडरा स्त्री. (तत्.) अस्थि में पेशी के रूप में अंतर्गथित दृढ़ रेशेदार ऊतक रज्जु। tendon

कंडा पुं. (तद्.) 1. सूखा गोबर जो ईंधन के काम आता है 2. गोबर पाथकर बनाया गया विशेष ईंधन, उपला।

कंडिका (स्त्री.) (तत्.) 1. छोटे रूप में संग्रहीत वैदिक ऋचाएँ 2. अध्याय।

कंडील पुं. (अर.) कंदील, मिट्टी या पारदर्शी कागज की बनी हुई लालटेन जिसमें दीया जलाकर लटकाते हैं।

कंत पुं. (तत्.) पति, स्वामी, प्रेमी, ईश्वर।

कंथा स्त्री. (तत्.) गुदड़ी, फटे-पुराने कपड़ों को सिल कर बनाया गया (ओढ़ने या बिछाने का) कपड़ा, कथरी।

कंद पुं. (तत्.) वह जड़ जो गूदेदार हो और बिना रेशे की हो जैसे- सूरन, मूली, शकरकंद।